Programme Outcome- Department of Hindi

1. आदिकाल से लेकर आधुनिक कल तक के साहित्यकारों एवं उनके साहित्य के मर्म एवं काव्य वैशिष्ट्य का बोध करना
2. साहित्यशास्त्र के विभिन्य अंगों एवं उपयोगो का ज्ञानार्जन करना
3. छात्राओं को हिंदी साहित्य भाषा एवं व्याकरण का ज्ञान प्रदान करना
4. प्राचीन एवं अर्वाचीन,भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के अध्यापन द्वारा छात्रओं में समीक्षा दृष्टी को विक्सित करना
5. साहित्य के क्रमशः परिवर्तित एवं विक्सित प्रतिमानों जैस छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद एवं नयी कविता का ज्ञान प्रदान करना
6. प्रयोजन मूलक हिंदी के माध्यम से छात्रओं को रोज़गार परक शिक्षा से जोड़ना जैसे अनुवादक, दुभाषिया , उद्घोषक, पत्रकार अदि बनाने के लिए प्रेरित करना
7. लोक साहित्य के अध्यापन द्वारा छात्राओं को लोक कला ,साहित्य एवं संस्कृति से परिचित करना एवं लोक कलाओं जैसे लोकगीत,लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य एवं लोक शुभाषित के संग्रह हेतु जागरुक करना
8. साहित्य के अध्यापन के द्वारा छात्राओं में साहित्यिक अभिरुचि एवं प्रतिभा का विकास करना
9. भाषा विज्ञान के अद्यापन के द्वारा छात्राओं को भाषाओं के वैज्ञानिक अधयायन एवं विवेचन के लिए प्रेरित करना एवं संस्कृत से लेकर आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं में होने वाले परिवर्तन एवं विकास का ज्ञान करना